!! माँ काली की आरती !!

अंबे तू है जगदंबे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेरे ही गुन गायें भारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥
माता तेरे भक्त जनों पर भीड़ पड़ी है भारी।
दानव दल पर टूट पड़ो माँ करके सिंह सवारी॥
सौ सौ सिंहों से बलशाली अष्ट भुजाओं वाली।
दुखियों के दुःख को निवारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥
माँ बेटे का इस जग में है बड़ा ही निर्मल नाता।
पूत कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता॥
सब पर करूणा दरसाने वाली अमृत बरसाने वाली।
दुखियों के दुख को निवारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥
नहीं मांगते धन और दौलत ना चांदी ना सोना।
हम तो मांगते तेरे मन का एक छोटा सा कोना॥
सबकी बिगड़ी बनाने वाली लाज बचाने वाली।
सतियों के सत को सवांरती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥
अंबे तू है जगदंबे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेरे ही गुन गायें भारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

https://bhaktimargdarshan.com/

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी।
अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें।

Bhakti Margdarshan